Padma Shri



Shri S. Arunan

Shri S. Arunan is Project Director, Mars Orbiter Mission (MOM) at ISRO Satellite Centre (ISAC) of Indian Space Research Organization (ISRO) of Department of Space.

2. Born on December 21, 1961 in the state of Tamilnadu, Shri Arunan graduated in Mechanical Engineering with honours from Madras University (1984) and Member of Institution of Engineers. Starting his career as a Project Engineer in Vikram Sarabhai Space Centre of ISRO after graduation, he held several decisive positions in ISRO in the domains of cryogenic propulsion for GSLV and control systems for PSLV. He had held the posts of Deputy Project Director of Technology Experiment Satellite, Cartosat-1 Satellite and Chandrayaan-1; the first Indian mission to Moon and completed these missions in record time and with thumping success. He held the post of Associate Project Director of Chandrayaan-2 before he took up the present assignment of Project Director, Mars Orbiter Mission.

3. Shri Arunan is a Team Leader par excellence; a dynamic and result-oriented Manager with very fine personal and inter-personal qualities. He accomplished successfully a unique and rare feat in the arena of international deep space missions, the Mars Orbiter Mission of India. He paved the way for the low cost access to deep space and for frugal engineering concepts and an inspiring Leader with a rather rare skill of lateral thinking in the field of realisation of technologically challenging mission to planet mars employing the proven physical laws of nature and the galactic forces to the best advantage of the mission to optimise the resources; a mission with less muscle power and more brain. The Indian Mars Mission set a goal of high challenge and risk which motivated and fired up imagination and inspired younger generation in ISRO and in the country. The mission concept adopted for MOM to reach planet mars is unique and was devised to maximally employ the available technical capability in ISRO to the optimum use, in terms of launcher, space segment and ground segment which are totally home grown technology / knowledge and achieved self-reliance for deep space missions of India.

4. Shri Arunan is an astute team builder motivated a young project team of MOM to realise the state-of- art spacecraft in a record time of 18 months and the accomplishment of the mission have been credited with many first time achievements in the history of international deep space mission for its cost, schedule and the precision of reaching planet mars.

5. Shri S. Arunan is the recipient of Team Excellence Award of ISRO in 2008.



श्री एस. अरूणन

श्री एस. अरूणन अंतरिक्ष विभाग के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के इसरो सेटेलाइट केन्द्र में मार्स आर्बिटर मिशन के परियोजना निदेशक हैं।

2. आपका जन्म तमिलनाडु राज्य में दिसम्बर 21, 1961 को हुआ। आपने मद्रास विश्वविद्यालय से प्रवीणता के साथ मेकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक तथा इंस्टीट्यूशन ऑव इंजीनियर्स के सदस्य बने। स्नातक के बाद आपने अपनी कॅरियर की शुरूआत इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र में परियोजना इंजीनियर के रूप में की और इसरो में जीएसएलवी के क्रायोजैनिक प्रोपल्सन तथा पीएसएलवी की नियंत्रण प्रणालियों के क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे। आप प्रौद्योगिकी प्रयोग सेटेलाइट, कॉर्टोसैट-1 सेटेलाइट तथा चन्द्रमा पर पहले भारतीय मिशन चन्द्रयान-1 के उप-परियोजना निदेशक के पदों पर रहे तथा रिकॉर्ड समय में इन मिशनों को पूरा किया, जिन्हें जबरदस्त सफलता हासिल हुई। मार्स आर्बिटर मिशन के परियोजना निदेशक के रूप में अपना दायित्व संभालने से पूर्व आप चन्द्रयान-2 के एसोसिएट परियोजना निदेशक के पद पर आसीन थे।

3. व्यक्तिगत तौर पर अनेक गुणों तथा सहयोग की भावना से ओत-प्रोत आप एक उत्कृष्ट दल नेता, कुशल एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित प्रबंधक हैं। आपने अंतरराष्ट्रीय सुदूर अंतरिक्ष मिशनों, भारत के मार्स आर्बिटर मिशन से संबंधित क्षेत्रों में विशिष्ट और दुर्लभ सफलताएं हासिल की हैं। आपने सुदूर अंतरिक्ष तक कम लागत में पहुंचने तथा अभियांत्रिकी संबंधी सौम्य अवधारणाएं विकसित करने का मार्ग प्रशस्त किया है तथा संसाधनों के इष्टतम उपयोग द्वारा मिशन के लिए सर्वाधिक लाभप्रद सर्वसिद्ध प्रकृति के भौतिक नियमों और अंतरिक्ष-बलों के इस्तेमाल द्वारा तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण मंगल ग्रह तक के मिशन, जो कम जनशक्ति तथा अधिक बौद्धिक शक्ति वाला मिशन था, को साकार करने में एक प्रेरणादायी पथप्रदर्शक के रूप में अपना दुर्लभ कौशल प्रदर्शित किया है। भारतीय मंगल मिशन एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण तथा जोखिमभरा लक्ष्य था, जिसने इसरो और देश की युवा पीढ़ी की सोच को प्रेरित तथा उनकी आकांक्षाओं को पंख प्रदान किया। अवधारणा, लांचर, अंतरिक्ष क्षेत्र तथा जमीनी क्षेत्र की दृष्टि से, मंगल ग्रह तक पहुंचने के लिए निर्धारित मार्स आर्बिटर मिशन, उपलब्ध उन संसाधनों के इष्टतम उपयोग पर निर्भर था, जो भारत के सुदूर अंतरिक्ष मिशनों के लिए विशुद्व रूप से अर्जित की गई स्वदेशी तकनीक/ज्ञान तथा हासिल आत्म-निर्भरता पर आधारित था।

4. आप मार्स आर्बिटर मिशन की युवा परियोजना टीम के बेजोड़ और टीम के प्रति समर्पित बेहद प्रेरणादायी नेता रहे हैं, जिन्होंने 18 माह के रिकॉर्ड समय में अत्याधुनिक अंतरिक्षयान के सपने को साकार किया तथा इस मिशन के सफल होने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय सुदूर अंतरिक्ष मिशन के इतिहास में लागत, समय-सीमा तथा मंगल ग्रह पर पहुंचने के निर्धारित समय के लक्ष्य को हासिल करने की दृष्टि से कई सर्वप्रथम इस मिशन के नाम पर दर्ज़ हो गए हैं।

5. आपको वर्ष 2008 में इसरो के टीम एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।